पाठ 5: सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए

क. ठोकर का कारण या आगे बढ़ने का साधन

1. 1 कुरिन्थियों 8:1-13 मूर्तियों के आगे चढ़ाया गया मांस खाना विश्वास में निर्बलों के लिए ठोकर का कारण कैसे बन सकता था?
2. पौलुस को मूर्तियों के आगे चढ़ाया गया मांस खाने से परहेज़ करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया? (मत्ती 22:37-39)
3. पौलुस का जीवन ठोकर का कारण बनने के बजाय दूसरों के लिए आगे बढ़ने का साधन कैसे बना? (1 कुरिन्थियों 9:1-12, 13-18, 19-23)
4. यीशु की सांसारिक सेवकाई के दौरान ऐसे कुछ व्यक्तियों के बारे में सोचिए जिनका जीवन दूसरों के लिए आगे बढ़ने का साधन बनने के बजाय ठोकर का कारण बना। जैसे–कायफा, यहूदा, पतरस (कुछ अवसरों पर), और याकूब तथा यूहन्ना (कुछ अवसरों पर)।
5. ऐसी कौन-सी गतिविधियाँ हैं जिनसे आप इसलिए दूर रहना चुन सकते हैं क्योंकि वे दूसरों के लिए ठोकर का कारण बन सकती हैं?
6. हमारा जीवन किस प्रकार दूसरों के लिए आगे बढ़ने का साधन बन सकता है, जिससे उन्हें परमेश्वर के साथ जीवन-परिवर्तनकारी संबंध की ओर बढ़ने में सहायता मिले? (मत्ती 5:14-16; 25:34-36; आदि)

ख. अतीत से सीखना

1. 1 कुरिन्थियों 10:1-11 मिस्र से कनान तक जंगल में इस्राएलियों की यात्रा के अनुभवों से हम कौन-से सबक सीख सकते हैं?
2. पौलुस ने कौन-सी चेतावनी दी जो हमें ऐसी ही असफलताओं से बचने में सहायता करेगी? 1 कुरिन्थियों 10:12
3. जब हम अतीत की गलतियों को दोहराने के लिए प्रलोभित होते हैं, तब पौलुस ने हमें आशा का कौन-सा संदेश दिया? 1 कुरिन्थियों 10:13
4. ऐसा कोई समय साझा कीजिए जब आप आत्मिक रूप से निर्बल महसूस कर रहे थे और परमेश्वर ने आपके लिए बच निकलने का मार्ग प्रदान किया।

ग. सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करना

1. 1 कुरिन्थियों 10:31 पौलुस ने कुरिन्थ के मसीहियों के साथ जो जीवन-सिद्धांत साझा किया, उसका संदर्भ क्या था?
2. पौलुस को सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करने की प्रेरणा किस बात से मिली? 1 कुरिन्थियों 10:32-33
3. जीवन के अन्य कौन-से क्षेत्रों में इस सिद्धांत को लागू किया जा सकता है? कुछ उदाहरण साझा कीजिए।
4. ऐसा कोई समय साझा कीजिए जब आपको अपना व्यवहार बदलने की प्रेरणा मिली क्योंकि आपने समझा कि आप इस प्रकार का आचरण परमेश्वर की महिमा के लिए जारी नहीं रख सकते।
5. 1 कुरिन्थियों 11:1 में पौलुस द्वारा दिया गया निमंत्रण, 1 कुरिन्थियों 10:31 में साझा किए गए जीवन-सिद्धांत से किस प्रकार संबंधित है?
6. आज परमेश्वर आपको इस जीवन-सिद्धांत को अपने जीवन में किस प्रकार लागू करने की प्रेरणा दे रहा है?